अमर उजाला
लखनऊ
शुक्रवार, 23 दिसंबर 2016

न्यूज डायरी

सफल होने के लिए निरंतर आगे बढ़ते रहें

लखनऊ। भारतीय गन्ना संस्थान लखनऊ के पूर्व निदेशक और चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के नए कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन को बृहस्पतिवार को गन्ना संस्थान में सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने सफलता के लिए दो बातों पर अमल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने और नई पहचान के लिए जरूरी है कि आप हमेशा आगे की ओर निरंतर बढ़ते रहें। साथ ही आप किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं हो। सकारात्मक रहकर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। इन दो सिद्धांतों को अपनाकर ही इंसान अपने जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं संस्थान द्वारा साझा शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों को क्रियान्वयन किया जा सकता है, जिससे गन्ना किसानों एवं कृषि के लिए बेहतर किया जा सकता है। गन्ना संस्थान के निदेशक एडी पाठक ने कहा कि सोलोमन को सम्मानित करके संस्थान सम्मानित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनके निदेशक पद के दौरान संस्थान ने नए आयामों को प्राप्त किया। विदेशों में नई पहचान कायम करने के साथ ही संस्थान को देश के अग्रणी संस्थानों की श्रेणी में पहुंचाया।

गन्ना अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन का सम्मान, दिए सफलता के मंत्र

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, शुक्रवार, 23 दिसम्बर, 2016

सीएसए विवि के कुलपति का आइआइएसआर में हुआ सम्मान

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के नव-नियुक्त कुलपति डॉ. सुशील सोलोमन के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. सोलोमन द्वारा कुलपति का पदभार ग्रहण करने से भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने डॉ. सोलोमन का स्वागत किया। डॉ. सोलोमन ने सभागार में उपस्थित वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए दो बातों पर अमल करने का सबसे आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल तथा नई पहचान के लिए आवश्यक है कि आप हमेशा आगे की ओर अग्रसर रहें। साथ ही आप कभी भी किसी भी परस्थिति में निराश न हों और हमेशा सकारात्मक रहें। इन सिद्धांतों को अपनाकर इंसान जीवन में सफल होकर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. सोलोमन ने कहा कि विश्वविद्यालय तथा संस्थान द्वारा साझा शोध एवं प्रसार कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा सकता है। जिससे गन्ना किसानों तथा कृषि के बेहतरी के लिए अच्छा होगा।